हमीरपुर शहर में पहुंची सीमा सुरक्षा बल की चार कंपनियां

विधानसभा चुनावों में एसएसबी के जवान रखेंगे कड़ी नजर

सुरेश कश्यप। हमीरपुर

विस चुनावों में सशस्त्र सेना बल के जवान कड़ी नजर रखेंगे। हमीरपुर जिला में मतदान को शांतिपूर्वक करवाने के लिए निर्वाचन आयोग ने सशस्त्र सीमा बल की चार कंपनियां तैनात की हैं। इन कंपनियों के जवान हमीरपुर के अलग-अलग बूथों के साथ-साथ चिन्हित किए गए स्थानों पर नाके लगाकर चुनावी बेला में होने वाले गोलमाल पर नजर रखेंगे।

सीमा बल के जवान हमीरपुर में पहुंच चुके हैं। वहीं कंपनी कमांडर को निर्वाचन आयोग ने अतिसंवेदनशील व संवेदनशील क्षेत्र के बूथों से अवगत करवा दिया है। बताया जा रहा है कि इन जवानों की तैनाती 8 नवंबर को हर मतदान केंद्र पर कर दी जाएगी। अभी इन कंपनियों के कुछ जवानों को ईवीएम की सुरक्षा गार्ड में लगाया गया है। मतदान होने उपरांत इन्हीं जवानों की निगरानी में सभी ईवीएम सीसे स्कूल बाल हमीरपुर में रखी जाएंगी। 18 दिसंबर तक यहां पर सेना की निगरानी के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे की नजर रहेगी। 24 घंटे की रिकॉर्डिंग के साथ-साथ सभी कैमरों पर नजर रखने के लिए अलग से सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। लिहाजा नादौन, भोरंज व सुजानपुर में सशस्त्र सीमा बल के अधिक जवान लगाए जाएंगे। यही नहीं इन्हीं जवानों के साथ हिमाचल पुलिस के जवान भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे, ताकि शांतिपूर्वक विधानसभा के मतदान पहले से अधिक प्रतिशत पर करवाए जा सके।

◆ खाकी के साथ-साथ शांतिपूर्वक चुनाव करवाने में देगी सहयोग

चुनावों के दौरान सुरक्षा के लिए हिमाचल पुलिस के साथ-साथ सशस्त्र सीमा बल के जवान भी तैनात रहेंगे। अकेले हमीरपुर में सीमा बल की चार कंपनियां लगाई जाएंगी, ताकि मतदान शांतिपूर्वक आयोजित हों। साथ ही मतदान की प्रतिशतता पहले से अधिक हो।

-संदीप कदम, उपायुक्त हमीरपुर

जिले में 323 बूथों पर होगा मतदान

हमीरपुर के बूथों पर नजर डाले तो कुल 525 बूथ स्थापित किए गए हैं। इनमें 264 बूथ पर होने वाली दिन भर की गतिविधि को वीडियो नेट से जोड़ा गया है। दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति यहां पर होने वाली गतिविधियों को देख सकेगा। सामान्य 458 इनमें 6 बूथ अतिसंवेदनशील है, जबकि संवेदनशील 60 बूथ हैं। अतिसंवेदनशील छह मतदान केंद्रों में नादौन विस क्षेत्र में ही तीन बूथ शामिल हैं, जबकि भोरंज में दो व सुजानपुर में एक है। हमीरपुर व बड़सर विस क्षेत्र में कोई भी मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील नहीं है।

मतदान केंद्रों में किया गया फेरबदल

नादौन। विधानसभा नादौन निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व में प्रकाशित मतदान केंद्रों में वर्णित मतदान केंद्र 84-झरेड़ी के मतदान भवन को सामुदायिक केंद्र झरेड़ी से पाठशाला कांगू में स्थापित किया गया है। 85-तेलकड़ के मतदान भवन को सामुदायिक केंद्र तेलकड़ से सनाही स्कूल में जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार स्थापित कर दिया गया है। यह जानकारी यहां जारी प्रेस नोट में उपमंडल निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम नादौन अमित मेहरा ने दी। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त हमीरपुर के आदेशानुसार भारत निर्वाचन आयोग की अनुमति से 40-नादौन में यह सूचना संबंधित मतदान केंद्रों के मतदाताओं एवं जनसाधारण की जानकारी हेतू दी गई है।

नकदी सहित आभूषणों की चोरी

संतोषगढ़ में चोरों ने सेंधमारी कर किए हाथ साफ

हिमाचल दस्तक। संतोषगढ़

नगर परिषद संतोषगढ़ के वार्ड पांच के घर में शातिरों ने सेंधमारी कर नकदी सहित आभूषणों पर हाथ साफ किया है। फिलहाल तक पीड़ित परिवार ने इस संबंध में कोई पुलिस शिकायत नहीं दी थी।

जानकारी के अनुसार वार्ड पांच के निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ ऊना की ओर अस्पताल में गया हुआ था। इन्हीं परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर में सेंधमारी कर पहले एक कमरे में पड़ी अलमारी के लॉक को तोड़ उसमें रखी लगभग साढे दस हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ किया। जबकि अलमारी के लॉकर में रखे चांदी व सोने के आभूषणों को भी चोरों ने उड़ाया है। पवन ने बताया कि चोरी की घटना में लगभग तीस हजार रुपये का चूना चोरों ने लगाया है। पवन ने बताया कि घर में परिजनों के आने पर वह चोरी की इस वारदात के बारे में पुलिस को शिकायत देगा।

जमीनी विवाद को लेकर दो गुटों में मारपीट

मैहतपुर। देहला गांव में शनिवार देर शाम दो गुटों में जमीनी विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। देखते ही देखते दोनों गुटों में मारपीट शुरू हो गई। मारपीट की वारदात में दो लोगों को चोटें आई हैं। घायलों को मेडिकल व उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अप्पर देहलां में दो गुटों में खेत में से ट्रैक्टर निकालने को लेकर मारपीट हो गई। मारपीट में दो लोगों को चोटें आई हैं। घायलों को मेडिकल व उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों की पहचान देसराज व विनय कुमार दोनों निवासी अप्पर देहला जिला ऊना के रूप में हुई है। उधर, एसपी संजीव गांधी का कहना है कि पुलिस ने पीड़ित देसराज की शिकायत के आधार पर अरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

दो साल बाद भी अलॉट नहीं हुए खोखे

शहर में बस स्टैंड के सामने 100 खोखों का किया था निर्माण

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

जिला मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के ठीक सामने बने पक्के खोखों में बेरोजगारों को तो नहीं बसाया जा सका, लेकिन अब यह जगह पार्किंग में तबदील होने लगी है। हालात यह है कि यह भवन अब जर्जर भी होने लगा है, लेकिन 2 करोड़ खर्च करने पर भी यह दो साल के बाद भी अलॉट नहीं हो पाया है।

बेरोजगार यहां रोजगार के लिए इसे अलॉट करने की राह ही तकते रहे, लेकिन न तो गठित प्रशासन की कमेटी इनके शटर खुलवा पाई और न ही यहां जिस योजना के लिए इनका निर्माण किया गया था। उसका मकसद पूरा होता दिख रहा है। यह स्थान मेन मार्किट के एकदम साथ है। ऐसे में यहां व्यवसायिक तौर पर भी सभी की नजरें बनी रही। इन खोखों के शटर भी सही रख-रखाव के अभाव में खराब हो रहे हैं। इन दिनों यहां बनी दुकानों के भीतर दोपहिया वाहनों को खड़े करने का क्रम तेजी से शुरू हो गया है। दो साल से तैयार इन करीब 100 खोखों को यदि समय रहते अलॉट कर दिया जाता तो शहर के बेरोजगारों को कारोबार करने के लिए जहां एक स्थान मिलना था। ऐसा अभी तक तो हो नहीं पाया और अब यह कब होगा। इसका जवाब भी किसी के पास नहीं है। उल्लेखनीय है कि इनका निर्माण तो बेरोजगारों और शहर को रेहड़ी-फड़ी मुक्त करने के लिए किया गया था, लेकिन वह मकसद भी अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। शहर वैसे ही काफी व्यस्त हो चुका है। यहां की सड़क पर भी दौड़ते वाहन कई लोगों को घायल कर चुके हैं। ऐसे में यदि इन खोखों को ओपन कर दिया जाता। तो कुछ हद तक यह रोजगार का केंद्र बिंदू भी हो सकता था। ऐसा अभी तक क्यों नहीं हो पा रहा कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

◆ शहर को रेहड़ी-फड़ी से मुक्त करने के लिए बनाई थी दुकानें

◆ खाली दुकानों में दोपहिया वाहनों की हो रही पार्किंग

इन खोखों को अलॉट करने का मामला जिला प्रशासन के पास है। वहीं से कमेटी का गठन किया गया था। यदि नगर परिषद को दिया जाता तो इन्हें अलॉट कर देते ताकि बेरोजगारों दूसरे लोगों को इनका लाभ मिल सकता।

-दीप कुमार बजाज, नगर परिषद उपाध्यक्ष हमीरपुर

60 रुपये किलो पहुंचा प्याज

हमीरपुर। प्याज व टमाटर एक बार फिर दाम पर लाल होते जा रहे हैं। अचानक इनके दामों पर आए उछाल ने ग्रहणियों के बजट का डगमगाकर रख दिया है। चुनावी बेला में इसका असर मौजूदा सरकार को भुगतना पड़ सकता है। हमीरपुर में प्याज के दाम 60 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। वहीं टमाटर का दाम भी लगभग इसी के समान हो गया है। अचानक सब्जी के तड़के से प्याज व टमाटर की दूरी खाने के स्वाद पर भी वितरीत असर डाल रही है। चुनाव समय में भोजन के स्वाद पर पड़ रहे विपरीत असर का खामियाजा केंद्र पर प्रदेश सरकार को भुगतना पड़ सकता है। आम ग्रहणी के लिए अब तक यह बजट बिगाड़ने का कारण बन चुका था, लेकिन अचानक दाम इतने बढ़ गए कि अब ग्रहणियां प्याज व टमाटर खरीदने से गुरेज कर रही हैं। लिहाजा भोजन का टेस्ट बदलते ही पूरे परिवार का रुख भी बदलना शुरू हो गया है। हमीरपुर बाजार में बिक रहे प्याज के दाम इससे पहले 30 व 35 रुपये तक चल रहे थे। दो माह पहले इसके दाम 20 रुपये तक था। अचानक दाम बढ़ गए और 35 रुपये तक टिक गए। सूबे में विस चुनावों का ऐलान होते ही प्याज के दाम 50 रुपये तक पहुंचे और अब यह 60 रुपये तक पहुंच गए हैं।

सब्जियों के वसूले जा रहे मनमाने दाम

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

सब्जियों के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसकी मार गरीब परिवारों पर पड़ रही है। 170 रुपये दिहाड़ी कमाने वाला मजूदर हरा मटर खरीदने में भी कमजोर हो गया है। एक सप्ताह में ही सब्जी के दामों में हो रहे उछाल से हर वर्ग परेशान है। शहर में सब्जी की दुकानों में रेटलिस्ट को देखकर हैरत में हैं। रेहड़ी-फड़ी में भी दामों में कोई अंतर नहीं देखा गया है। फूलगोभी 40 रुपये प्रतिकिलो, प्याज 50 रुपये, हरा मटर 100 रुपये, गाजर 60, अदरक 80 रुपये, लहसुन 100 रुपये, पहाड़ी आलू 20 रुपये, जिमीकंद 50 रुपये, बंदगोभी 40 रुपये, टमाटर 40 रुपये प्रतिकिलो बिक रहा है। बढ़ती महंगाई से लोग काफी परेशान हो गए हैं। कई दुकानदार मनमाने दाम भी वसूल रहे हैं। उधर, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक का कहना है कि सब्जी के दाम में 25 प्रतिशत मार्जन विभाग द्वारा तय किया गया है। विभाग की ओर से समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। दुकानदार बिना मूल्य सूची के सब्जी नहीं बेच सकता है। उपभोक्ताओं को इसकी शिकायत विभाग कार्यालय में लिखित करनी होगी।

◆ गरीब की थाली से गायब हो रही हरी सब्जी

दिव्यांगों ने बताई वोट डालने की अहमियत

मतदान जागरुकता पर दिव्यांग खिलाड़ियों ने चलाया अभियान

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

हमीरपुर में युवक मंडल के सदस्य मतदान के लिए जागरूक करते।

जय भीम युवा मंडल अणु हमीरपुर व नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर के सौजन्य से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिव्यांग खिलाड़ियो द्वारा जागरुकता अभियान चलाया। 9 नवंबर को हर बूथ पर शत-प्रतिशत मतदान के लिए दिव्यांगों ने भी वोटरों का आह्वान किया। हमीरपुर पैरा स्पोर्ट्स संघ के अध्यक्ष व नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर के स्वयंसेवी सफल डोगरा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के तहत जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। देश में मतदान हर नागरिक का अधिकार है। लोग इसको समझें और मतदान करें। इसके बाद सभा हुई। इसमें सफल डोगरा ने कहा कि बूथ पर दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर के साथ ही सहयोगी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि दिव्यांग वोटरों को असुविधा न हो। एक दिव्यांग खिलाड़ी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदान का रिकॉर्ड बनाना है। इसके लिए जरूरी है कि हर मतदाता 9 नवंबर को अवश्य वोट डालें। इसके बाद सफल डोगरा ने आने वाली सरकार से आग्रह किया है कि सरकारी विभागों में जो पद रिक्त हैं। उनमें दिव्यांग बेरोजगारों की तैनाती की जाए। हर विभाग में नौकरी देने के लिए पारदर्शिता अपनाई जाए, जिन परिवारों का मुखिया दिव्यांग है और उसके परिवार का कोई सदस्य नौकरी पर नहीं है वही उस दिव्यांग ऐसे परिवार के एक सदस्य को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दी जाए। मौके पर जय भीम युवा मंडल के प्रधान पवन शाह, उपप्रधान उत्तम चंद विपन, बंटी, सुनील, नरेंद्र, जीवन आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर के स्वयंसेवी सफल डोगरा व चुनी लाल के नेतृत्व में चलाया गया।

बुनानी में लैंडलाइन फोन बने शोपीस

फोन डेड होने के बाद भी थमाए जा रहे हैं बिल

हिमाचल दस्तक। मैहरे

बड़सर के बुनानी गांव में स्थापित बीएसएनएल विभाग के आधा दर्जन फोन शोपीस बनकर रह गए हैं। दो वर्ष पूर्व गांव के लिए डाली गई बीएसएनएल तार अज्ञात लोगों द्वारा चोरी कर ली गई थी। लोगों के बार-बार मांग करने के बाद भी विभाग ने इस लाइन को डालने की जहमत नहीं उठाई है। समस्या का हल न होने से आधा दर्जन लैंडलाइन फोन डेड पड़े हुए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि डेड पड़े इन फोनों के बिल उपभोक्ताओं को थमाए जा रहे हैं। इसके चलते इन ग्रामीणों का विभाग के प्रति रोष पनप रहा है। लोगों का कहना है कि उनके फोन पिछले दो वर्षों से डेड पड़े हुए हैं। बावजूद इसके विभाग द्वारा हर बार उन्हें डेड फोनों के बिल दिए जा रहे है। कई बार कर्मचारियों व अधिकारियों को इस समस्या बारे अवगत करवाया जा चुका है। विभाग से मात्र आश्वासन ही मिला है।

◆ उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति पनप रहा रोष

समस्या मेरे ध्यानार्थ नहीं है फिर भी यदि ऐसा है तो मौके का जायजा लेकर शीघ्र समस्या का हल किया जाएगा।

-प्यारे लाल, सहायक अभियंता बीएसएनएल विभाग

सरेड़ी मार्ग पर लगाया जाए डंगा

ग्रामीणों ने उपायुक्त को भेजी शिकायत

हिमाचल दस्तक। गलोड़

लोक निर्माण विभाग की बेरुखी के चलते सरेड़ी के पास सड़क किनारे डंगा लगाने की शिकायत मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के अलावा उपायुक्त को शिकायत भेजनी पड़ी। इस शिकायत पर वे क्या कार्रवाई करते हैं। यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। यहां डंगा लगाना बहुत जरूरी है क्योंकि कई हादसे हो चुके हैं।

लोक निर्माण विभाग धनेटा के अंतर्गत कांगू-गलोड़ सड़क पर सरेड़ी के पास पिछली बरसात में विभाग द्वारा लगाया गया कच्चा डंगा ढह जाने से सड़क तंग हो गई और इस जगह पर दूसरी ओर मकान बने हैं। साथ ही 500 फुट गहरा नाला भी है। लगभग 15 दिन पहले लोक निर्माण विभाग ने इस जगह पर जेसीबी लगाकर डंगा लगाने के लिए खोदाई कर दी और यहां से सड़क और ज्यादा तंग हो गई। लोगों ने सोचा कि विभाग अब यहां पक्का डंगा लगा देगा। पहले यहां लोक निर्माण विभाग ने डूमों का डंगा लगाया था, जो ढह गया था। अब दोबारा उसी जगह पर डूमों में मिट्टी भरकर डंगा लगाया जा रहा है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। इस जगह पर आजकल चालक बड़ी मुश्किल से गाड़ी निकाल रहे हैं। बड़ी गाड़ियों के लिए तो यह जगह खतरे से खाली नहीं है। इस मामले में लोक निर्माण विभाग से मामले की जानकारी ली जाएगी। यदि उचित हुआ तो उस जगह पर पक्का डंगा लगाया जाएगा, ताकि कोई भी हादसा न घटे।

-संदीप कदम, उपायुक्त हमीरपुर।

◆ डंगा ढहने से तंग हो गई है सड़क, हादसों का सता रहा है डर

टक्का और बसोली में दो को कुत्तों ने नोचा

हिमाचल दस्तक। ऊना

जिला ऊना में लवारिस कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। कुत्ते हर रोज किसी न किसी को अपना शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला टक्का व बसोली में पेश आया, जहां दो लोगों को कुत्ते को काट लिया। जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पहला मामला गांव टक्का का है, जहां स्थानीय निवासी विशाखा अपने घर के समीप खेल रही थी, इतने में एक कुत्ते ने उस पर हमला बोल दिया। विशाखा के चीखने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे और कड़ी मश्कत कर उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़वाया। परिजन तुरंत उसे लेकर ऊना अस्पताल पहुंचे। गत दिवस भी टक्का गांव में दो मासूमों को लावारिस कुत्ते ने काट लिया था। जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। वहीं दूसरा मामला गांव बसोली का है, जहां संदीप रविवार सुबह अपने गांव में जा रहा था कि अचानक ही एक कुत्ता उस पर टूट पड़ा। संदीप ने बचाव का प्रयास किया लेकिन कुत्ते ने उसकी टांगो में अपने दांत गाड़ दिए। स्थानीय लोगों ने उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे और संदीप को कुत्ते के चंगुल से आजाद करवाया। एसएमओ डॉ. रामपाल ने बताया कि पीड़ितों का उपचार जारी है।

◆ क्षेत्र में फैला दहशत का माहौल

कार्यक्रम

दलित महासभा के प्रदेश स्तरीय अधिवेशन का समापन

ओंकार सिंह भाटिया तीसरी बार बने प्रदेशाध्यक्ष

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

दलित समाज सेवी संगठनों का संयुक्त प्रांत दलित महासभा की आम अधिवेशन राजकीय वरिष्ठ कन्या माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर में राष्ट्रीय दलित नेता ओंकार सिंह भाटिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया। भाटीया ने बताया कि उत्तर प्रदेश एवं बिहार दलित उत्पीड़न में नंबर एक पर है, जिनमें उत्तर प्रदेश में 8066 मामले, बिहार में 7874, राजस्थान में 3734, आंध्र प्रदेश में 2104, मध्यप्रदेश में 3294, गुजरात में 1075, तेलंगाना में 1427, केरला में 712, पश्चिम बंगाल में 130, त्रिपुरा 1 सामने आया है। मध्यप्रदेश में भारी संख्या में अत्याचार निवारण अधिनियम में मामले बनते हैं, परंतु पुलिस में अपने स्तर पर ही खारिज कर रही है। ऐसे मामले हजारों हैं, जो जाति आधारित हैं या उन्हें देख ही नहीं किया जाता या उनकी जान भी नहीं की जाती। इस कारण दलित समाज की बुनियादी समस्याएं जस की तस हैं। अधिवेशन में राष्ट्रीय दलित नेता ओंकार सिंह हटिया को लगातार तीसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया तथा राजेंद्र पाल भाटीया को प्रदेश महासचिव चुना गया। प्रदेश कार्यकारिणी गठन करने का अधिकार उपरोक्त नेताओं को दे दिया गया। इसके अतिरिक्त इस बैठक में रविदास महासभा समता सैनिक दल रमाबाई महिला कल्याण संगठन, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग संगठन, युवा कल्याण संगठन समांतर समिति, समरसता समिति, सिद्ध चानो थान समिति आदि दो दर्जन संगठनों ने भाग लिया। सम्मेलन में संजीव नाग बान, राजकुमार, पवन शाह, चुनीलाल, पूर्णचंद्र, पवन, नंदलाल आचार्य, अनूप भाटिया इत्यादि ने भारी संख्या में भाग लिया।

दलित महासभा के अधिवेशन अधिवेशन में भाग लेते हुए सदस्य।

◆ राजेंद्र पाल भाटिया को प्रदेश महासचिव पद की कमान

Appx 'A'

MILITARY ENGINEER SERVICES

E-TENDER NOTICE

Garrison Engineer (Kangra Hills) Yol Cantt, (H.P.), Pin-176052 on Behalf of the President of India invites online item rate bids on Single Stage two cover bid system for the following work :-

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost	Period of Completion	Tender ID
1.	Maintenance and Operation Through outsourcing for Water Supply Service installations at Yol Cantt.	Rs. 11.50 Lakhs	335 days	2017_MES_146289_1

For the Further refer web site eprocuremes.gov.in

INOX WIND LIMITED

Regd. Off.: Plot No.1, Khasra No. 264 to 267, Industrial Area, Village-Basal, Distt. Una-174303. (Himachal Pradesh)
CIN: L31901HP2009PLC031083 | Tel./ Fax: 01975-272001 | E-mail: investors.iwl@inoxwind.com | Website: www.inoxwind.com

EXTRACT OF UNAUDITED CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND HALF YEAR ENDED 30 SEPTEMBER, 2017

(Rs. in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	Quarter ended 30-09-2017	Half year ended 30-09-2017	Quarter ended 30-09-2016
1	Total Income from operations	7,951	18,550	80,017
2	Net Profit/(Loss) for the period before tax	(7,060)	(12,874)	7,458
3	Net Profit/(Loss) for the period after tax	(4,681)	(8,583)	5,642
4	Total Comprehensive Income (Comprising net profit/(loss) for the period after tax and Other Comprehensive Income after tax)	(4,610)	(8,473)	5,646
5	Paid-up equity share capital (face value Rs. 10 per share)	22,192	22,192	22,192
6	Earnings per share (face value of Rs.10/- each) (not annualized)			
	a) Basic (Rs.)	(2.11)	(3.87)	2.54
	b) Diluted (Rs.)	(2.11)	(3.87)	2.54

Notes:

1. The above consolidated results were reviewed by the Audit Committee and were approved by the Board of Directors at its meeting held on 4th November, 2017. The Statutory Auditors of the Company have carried out Limited Review of the above results for the quarter and half year ended 30th September, 2017.
2. The above results are an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed for the quarter and half year ended 30th September, 2017 with the Stock Exchanges under Regulation 33 of SEBI (Listing and other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Standalone and Consolidated quarterly/half yearly Financial Results are available on the Stock Exchanges' website (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and on the Company's website (www.inoxwind.com).
3. **Information on Standalone Financial Results :** (Rs. in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	Quarter ended 30-09-2017	Half year ended 30-09-2017	Quarter ended 30-09-2016
1	Total income from operations	3,356	7,808	72,234
2	Net Profit/(Loss) for the period before tax	(6,511)	(11,182)	6,735
3	Net Profit/(Loss) for the period after tax	(4,280)	(7,368)	5,290

4. The Company had made an Initial Public Offer (IPO) during the year ended 31.03.2015, for 3,19,18,226 equity shares of Rs. 10 each, comprising of 2,19,18,226 fresh issue of equity shares by the Company and 1,00,00,000 equity shares offered for sale by Gujarat Fluorochemicals Limited (GFL), the Company's holding company. The equity shares were issued at a price of Rs. 325 per share (including premium of Rs. 315 per share), subject to a discount of Rs. 15 per share for eligible employees of the Company and retail investors. Out of the total proceeds from the IPO of Rs. 102,053 Lakh, the Company's share was Rs. 70,000 Lakh from the fresh issue of 2,19,18,226 equity shares. Fresh equity shares were allotted by the Company on 30th March 2015 and the shares of the Company were listed on the stock exchanges on 9th April 2015.The Members of the Company have passed a Special Resolution for variations in terms of the Objects of the issue through Postal Ballot on 5th September 2017.

Details of utilization of IPO Proceeds are as follows:- (Rs. in Lakhs)

Sr. No.	Objects of the issue as per the Prospectus	Total amount to be spent as per the offer document	Revised amount as per Special Resolution	Total spent/ Utilization Upto 30.09.2017	Amount pending Utilization
1	Expansion and up-gradation of existing manufacturing facilities	14,748	4,255	4,255	-
2	Long term working capital requirements	29,000	46,156	31,000	15,156
3	Investment in subsidiary, IWISL for the purpose of development of Power evacuation infrastructure and other infrastructure development	13,154	7,001	7,001	-
4	Issue related expenses	3,733	3,223	3,223	-
5	General Corporate Purposes	9,365	9,365	9,365	-
	Total	**70,000**	**70,000**	**54,844**	**15,156**

Unspent amount is kept in fixed deposits of Rs. 15,388 Lakhs with banks.

On behalf of the Board of Directors
For Inox Wind Limited
Sd/-
Whole-time Director

Place: Noida
Date: 4th November, 2017